

NCERT Solution

पाठ - 04

कठपुतली

कविता से:

उत्तर1: कठपुतली को सदा दूसरों के इशारों पर नाचने से दुःख होता है क्योंकि उसे चारों ओर से धागों के बंधन से बाँध रखा गया था। वह इस बंधन से तंग आ गई थी। वह स्वतंत्र रहना चाहती है। अपने पाँव पर खड़ा होना चाहती है। धागे में बंधना उसे पराधीनता लगती है इसीलिए उसे गुस्सा आता है।

उत्तर2: कठपुतली अपने पाँव पर खड़ी होना चाहती है अर्थात् पराधीनता उसे पसंद नहीं लेकिन खड़ी नहीं होती क्योंकि उसके पैरों में स्वतंत्रता रूप से खड़े होने की शक्ति नहीं है। स्वतंत्रता के लिए केवल इच्छा ही नहीं क्षमता की भी आवश्यकता होती है जो कठपुतली में नहीं है।

उत्तर3: जब पहली कठपुतली ने स्वतंत्र होने के लिए विद्रोह किया तो दूसरी कठपुतलियों को भी यह बात बहुत अच्छी लगी क्योंकि बंधन में रहना कोई पसंद नहीं करता। वे भी अपनी इच्छानुसार जीना चाहती थी। वे भी बंधन में दुखी हो चुकी थीं।

उत्तर4: कठपुतली अपने पाँव पर खड़ी होना चाहती है अर्थात् पराधीनता उसे पसंद नहीं लेकिन खड़ी नहीं होती क्योंकि जब उस पर सभी कठपुतलियों की स्वतंत्रता की जिम्मेदारी आती है, तो वह डर जाती है। उसे ऐसा लगता है कि कहीं उसका उठाया गया कदम सबको मुश्किल में न डाल दे और अभी उसकी उम्र भी कम है अतः उसे दूसरों के सहारे की भी जरूरत थी। साथ ही स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद उसे बनाए रखना भी तो जरूरी होता है इसलिए कथनी और करनी में अंतर होता है जिसे कठपुतली समझ चुकी थी।

कविता से आगे:

उत्तर1: 'बहुत दिन हुए हमें अपने मन के छंद छुए' पंक्ति का अर्थ यह है कि बहुत दिन हो गए मन का दुःख दूर नहीं हुआ और न मन में खुशी आई।

उत्तर2: 1. सन् 1857 - कुँवरसिंह, तात्या टोपे

2. सन् 1942 - सुभाषचंद्र बोस, चन्द्र शेखर आज़ाद

• भाषा की बात:

उत्तर1: हाथ-हथ - हथकरघा, हथकड़ी,

सोना-सोन - सोननदी, सोनभद्रा, सोनजूही

NCERT Solution

मिट्टी-मट - मटमैला, मटका

उत्तर2:

पतला-दुबला
उधर-इधर
नीचे-ऊपर
बाएँ-दाएँ
काला-गोरा
पीला-लाल